PAPER - III , UNIT - V

Industrial Regions of Bihar

बिहार के औद्योगिक प्रदेश

---

15 NOV. 2000 में झारखंड से विभाजन के पश्चात् शेष बिहार में केवल वे ही उद्योग बचे रह गये जिनका आधार कृषि है। राज्य बँटवारे के बाद औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े इस कृषि प्रधान राज्य के विभिन्न भागों में विभिन्न प्रकार के औद्योगिक कच्चे माल पाये जाते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के लगभग 60 वर्षों में विकसित उद्योग के संकेन्द्रण के आधार पर बिहार में 8 औद्योगिक प्रदेश देखने को मिलता है।

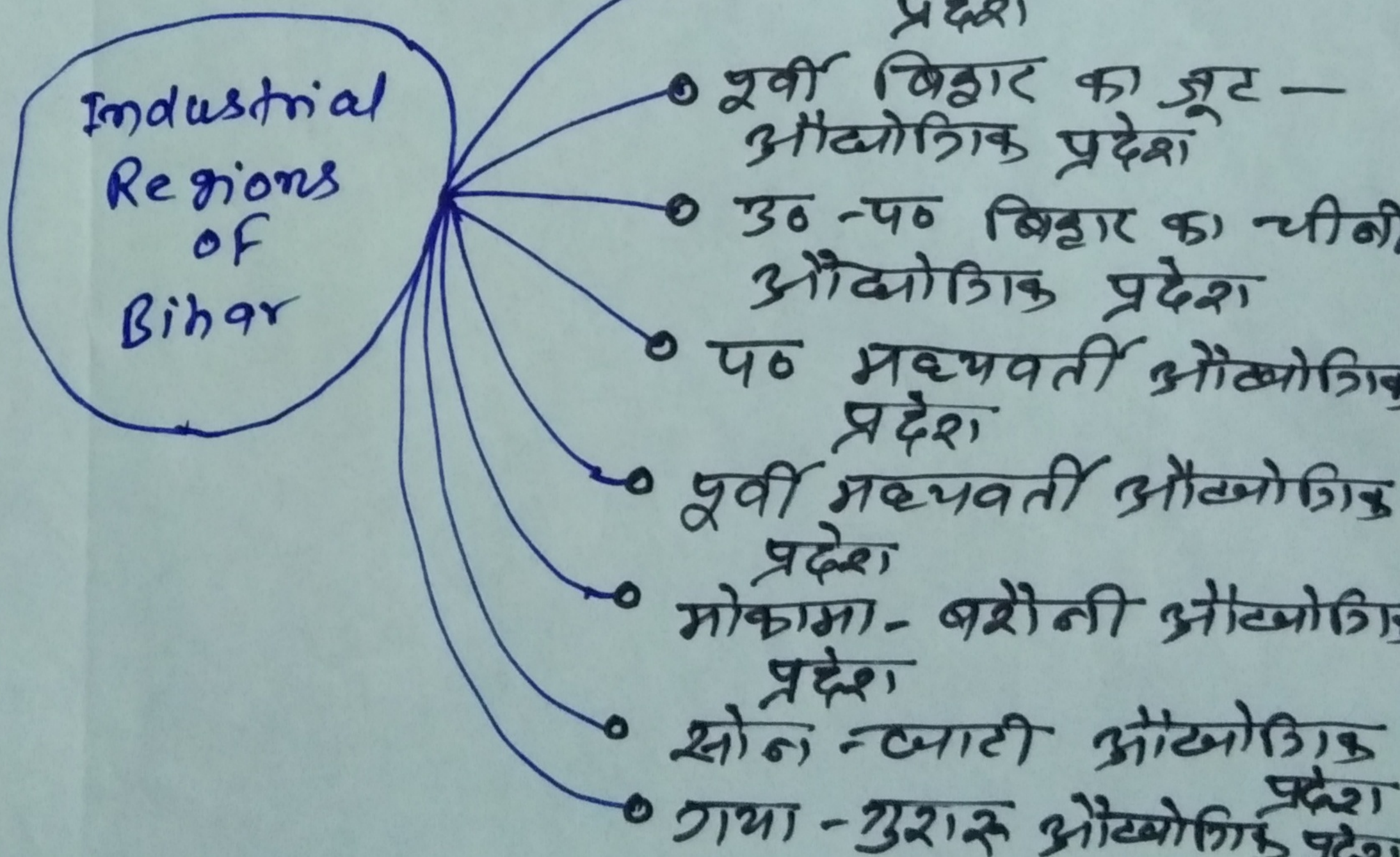

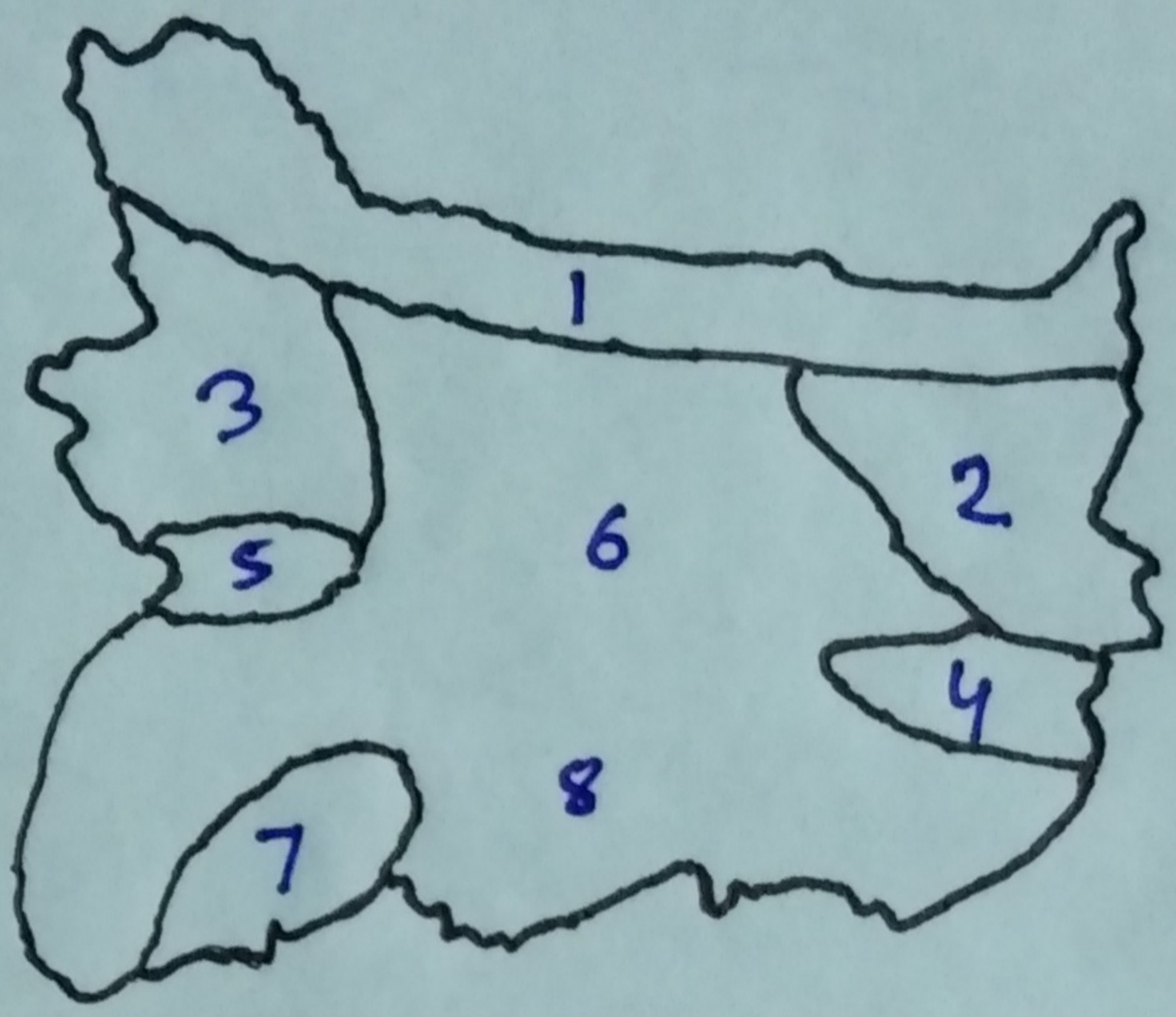

(1) उत्तरी चावल मिल का प्रदेश

(2) पूर्वी बिहार का जूट औद्योगिक प्रदेश

(3) उत्तर-पश्चिम बिहार का चीनी औद्योगिक प्रदेश

(4) पूर्वी मध्यवर्ती औद्योगिक प्रदेश

(5) पश्चिमी मध्यवर्ती औद्योगिक प्रदेश

(6) मोकामा - बरौनी औद्योगिक प्रदेश

(7) सोनघाटी औद्योगिक प्रदेश

(8) गया - डुमरू औद्योगिक प्रदेश

(1) उत्तरी चावल मिल का प्रदेश

Northern rice mills region :-

बिहार के उत्तरी भाग में नेपाल की तराई वाले क्षेत्रों में चावल की गहन खेती होने से चावल कूटने की अनेक छोटी - छोटी मिलें स्थापित हैं। इसका विस्तार पश्चिम में रामनगर से पूर्व में किशनगंज तक है। यहाँ के प्रमुख केन्द्रों में रामनगर, नरकटियागंज, रक्सौल, आदापुर, बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, जयनगर, झंझारपुर, जोगबनी, फारबीसगंज, किशनगंज इत्यादि प्रमुख हैं। सघन आबादी के कारण उत्पादित चावल का स्थानीय खपत हो जाता है।

(2) पूर्वी बिहार का जूट औद्योगिक प्रदेश

Jut Industrial region of Estern Bihar :-

उष्णार्द्र जलवायु वाले इस औद्योगिक प्रदेश में जूट उत्पादन की अनुकूल दशाएँ मौजूद हैं। स्थानीय एवं समीपवर्ती जिलों से प्राप्त जूट के आधार पर पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज में जूट मिलें स्थापित हैं। उपरोक्त केन्द्रों जैसे :- पूर्णिया कटिहार, किशनगंज में सूती वस्त्र मिलें भी स्थापित हैं। इस औद्योगिक प्रदेश में रेशमी वस्त्र की इकाईया भी स्थापित हैं।

(3) उत्तर-पश्चिम बिहार का चीनी औद्योगिक प्रदेश :-

Sugar Industrial region of North-westren Bihar :-

चीनी उद्योग बिहार का प्रमुख कृषि आधारित उद्योग है। इस उद्योग हेतु समस्त अनुकूल दशाएँ (जलोढ़ मिट्टी में चुने का अंश, सस्ते श्रमिक, उपयुक्त जलवायु, समतल भूमि आदि) मौजूद होने से राज्य का यह हिस्सा प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्र है। बागमती नदी से पश्चिम तथा गंगा नदी के उत्तर स्थित इस भाग मे राज्य में स्थापित 29 चीनी मिलों में से 21 चीनी मिलें स्थित है। इस भाग के अंतर्गत पश्चिम एवं पूर्व चम्पारण, सारण, गोपालगंज, सीतामढ़ी जिले आते है। वर्तमान में कार्यरत 10 चीनी मिलें (बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज, मझौलिया, मोतिहारी, सासामूसा, गोपालगंज, सिधवलिया, रीगा, हसनपुर) में से हसनपुर को छोड़ सारे इसी क्षेत्र मे अवस्थित है। उपरोक्त के अलावे यहाँ अन्य लघु एवं कुटीर उद्योग स्थापित है।

(4) पूर्वी-मध्यवर्ती औद्योगिक प्रदेश :-

East central Industrial region :-

यह गंगा नदी के किनारे प्राकृतिक तट बंध पर स्थित पूर्वी औद्योगिक प्रदेश है। इसका विस्तार मुँगेर, जमालपुर से लेकर कहलगाँव तक है। मुंगेर में बन्दूक एवं सिगरेट का कारखाना, जमालपुर मे Railway workshop, नाथनगर तथा भागलपुर

में रेशम का कारखाना, कहलगाँव में सुपरताप विद्युत केन्द्र आदि मुख्य विकास हुआ है। इसके अलावे इस प्रदेश में बीड़ी बनाने, चावल मिलें, आटा चक्की, दाल मिलें, पुंगी एवं चादर मिलें स्थापित हैं। अभयपुर एवं धरहरपुर में पत्थर तोड़ने का व्यवसाय है।

(5) पश्चिमी मध्यवर्ती औद्योगिक प्रदेश
West central Industrial region:-

गंगा के किनारे इसकी पश्चिमी भाग में बक्सर से पटना तक फैले इस औद्योगिक प्रदेश का सबसे प्रधान केन्द्र पटना है। गंगा पर महात्मा गाँधी सेतु बन जाने से इस औद्योगिक प्रदेश का सीधे संबंध उत्तर बिहार से हो गया है। इस प्रदेश के प्रमुख केन्द्रों में पटना, हाजीपुर, आरा, बक्सर, डुमराव इत्यादि हैं। पटना और इसके आस-पास अनेक औद्योगिक केन्द्रों का विकास हुआ है।

(6) मोकामा-बरौनी औद्योगिक प्रदेश:-
Industrial region of mokama & Baraumi :-

मोकामा से बरौनी तक फैला यह औद्योगिक प्रदेश मुख्यतः बेगुसराय जिले में स्थित है। यहाँ का प्रमुख औद्योगिक केन्द्र बरौनी तथा मोकामा है। हाथीदह के पास गंगा नदी पर बने राजेन्द्र पुल ने इस भाग को उत्तर एवं दक्षिण बिहार से जोड़ दिया। बरौनी में तेल शोधक कारखाना, पेट्रो रसायन, ताप विद्युत केन्द्र, रासायनिक खाद, दुग्ध उद्योग

का कारखाना स्थित है।

(7) सोन घाटी औद्योगिक प्रदेश :- Son Valley Industrial region :-

यह प्रदेश बिहार के दक्षिण-पश्चिम भाग मे सोन नदी के तटीय क्षेत्र मे स्थित है। इसका विस्तार जपला से डालमिया तक है। कैमूर पठार स्थित, पूर्व स्थित इस क्षेत्र मे सल्फर, डोलोमाइट एवं चूना-पत्थर आधारित कई उद्योग स्थित है। डालमियानगर, बनजारी में सिमेण्ट कारखाना के अलावे इस प्रदेश मे वन सामग्री आधारित कागज, पेपर बोर्ड, प्लाइउड के कारखाने स्थित है।

(8) गया-गुरारू औद्योगिक प्रदेश :- Gaya-Guraru Industrial region :-

यह अपेक्षाकृत छोटा औद्योगिक प्रदेश है, जिसका प्रमुख केन्द्र गया एवं गुरारू है। हर, सूती वस्त्र उद्योग, हस्तकरघा, स्वचालित करघा, पत्थर तोड़ने, कलात्मक मूर्तियाँ बनाने, तिलकुट, पर्यटन, होटल उद्योग का इस क्षेत्र मे पर्याप्त विकास देखने को मिलता है। गया का मानपुर मोहल्ला सूती वस्त्र के लिए पूरे देश मे प्रसिद्ध है। बोध गया, गया प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन के रूप मे प्रसिद्ध है।

इस प्रकार हम देखते है की प्राकृतिक खनिज संसाधन मे निर्धन होने के बावजूद राज्य मे कृषि आधारित उद्योगो का पर्याप्त विकास हुआ। और इसके विकास की पर्याप्त सम्भावनाएँ मौजूद है।

—:0:—